खण्ड-ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है।

(क) 'पूस की रात' शीर्षक कहानी में हल्कू खेत उजड़ने से क्यों प्रसन्न है ?

उत्तर - पूस की रात' कहानी में हल्कू इसलिए प्रसन्न है क्योंकि फसल बर्बाद होने से उसे रात में कड़ाके की ठंड में खेत की रखवाली करने के बोझ से मुक्ति मिल गई है।

(ख) 'पूस की रात' शीर्षक कहानी में मुत्री पैसे पो देना नहीं चाहती है ?

उत्तर - मुन्नी पैसे देना नहीं चाहती खरीदने के लिए बचाए गए थे योंकि वे पैसे कंबल

hun (ग) 'कविता की परख उद्देश्य हैं? र्षक पाठ के अनुसार कविता के क्या कविता की पाठ के अनुसार कविता का मुख्य

उत्तर -उत्साह दिय प्रभाव डालकर उसमें प्रेम, आनंद, करुणा, भावों का संचार करना है, ताकि शेष सृष्टि के साथ मनुष्य के रागात्मक संबंध की रक्षा और निर्वाह हो सके, और सौंदर्य व भाव की अनुभूति कराई जा सके।

(घ) उपमा क्या है? पठित पाठ के आधार पर उत्तर दें।

उत्तर - उपमा एक साहित्यिक अलंकार है जिसमें दो भिन्न चीज़ों की तुलना 'जैसे', 'जैसा' या 'से' शब्दों का प्रयोग करके की जाती है, ताकि एक चीज़ के किसी गुण पर ज़ोर दिया जा सके या उसे उजागर किया जा सके।

(ङ) एक कवि के लिए कल्पना का क्या महत्व है? पठित पाठ के आधार पर उत्तर दें।

उत्तर - एक कवि के लिए कल्पना का अत्यधिक महत्व है, क्योंकि यह उसे सामान्य को असाधारण, वर्तमान को अतीत और भविष्य से जोड़ने, विचारों को सजीव रूप देने और पाठक के मन में जीवंत चित्र बनाने में मदद करती है, जिससे कविता में गहराई, सुंदरता और भावनात्मक प्रभाव प्रभाव पैदा होता है।

(च) 'आँखों देखा गदर' शीर्षक पाठ के अनुसार लक्ष्मीबाई को पहली बार निराशा कब हई ?

उत्तर - आँखों देखा गदर' शीर्षक पाठ के अनुसार, लक्ष्मीबाई को पहली बार तब निराशा हुई जब अंग्रेज़ों ने अचानक रात को मोर्चे बाँधकर शहर पर तोपें बरसानी शुरू कर दीं और लड़ाई का रुख उनके विरुदध होता चला गया।

छ) 'आँखों देख गदर' शीर्षक पाठ के अनुसार युद्ध-काल में रानी लक्ष्मीबाई किस वेश में थीं ?

उत्तर - आँखों देखा गदर' के अनुसार, युद्ध-काल में रानी लक्ष्मीबाई को पुरुष वेश में देखा गया था, जिसमें उन्होंने पुरुष की तरह वस्त्र पहन रखे थे और युद्ध के मैदान में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ रही थीं।

(ज) विलायती बहादुर कौन थे? पठित पाठ के आधार पर उत्तर दें।

उत्तर - पठित पाठ (आँखों देखा गदर) के अनुसार, विलायती बहादुर झाँसी की सेना के वे पंद्रह सौ मुसलमान थे जिन्होंने लक्ष्मीबाई की लंबे समय तक सेवा की और अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध में अपनी अद्भुत वीरता का प्रदर्शन किया।

(झ) प्रेमचन्द रचित कुछ उपन्यासों के नाम लिखें ।

उत्तर - प्रेमचंद द्वारा रचित कछ प्रमुख उपन्यास हैं गोदान, गबन, कर्मभूमि, रंगभूमि, रंगभूमि, निर्मला, सेवासदन, और प्रेमाश्रम।

(ञ) वर्ण की परिभाषा देते हुए यह हैं। बताएँ कि वर्णमाला किसे कहते

उत्तर- वर्ण भाषा की सबसे छोटी मूल ध्वनि इकाई नहीं किए जा सकते।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है।

(क) अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखें, जिसमें किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा का वर्णन हो ।

उत्तर - मैं भी अपनी गर्मी आ हफ्ते की छुट्टियां बिताने के लिए पर्वतीय स्थल शिमला गया था ताकि मैं गर्मी के मौसम में भी ठंडक का आनंद ले सकूँ। मैं और मेरा परिवार शाम की बस से था। हमने शिमला गए और पहाड़ो में बना रास्ता हमें डरा रहा था। रास्ते में घर का बना खाना खाया, गाने गाए और सौंदर्य का आनंद लिया। कृतिक

पात्र मुन्नी के चरित्र (ख) 'पूस की रात' शीर्षक कहानी के प्रमख पात्र की विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर - प्रेमचंद की 'पूस की रात' कहानी में मुन्नी का चरित्र एक विद्रोही, आलोचनात्मक और व्यावहारिक महिला का है जो गरीब किसान हल्कू के यथार्थवादी जीवन को दर्शाती है. वह अपने पति के समझौतेवादी स्वभाव और भाग्यवाद पर सवाल उठाती है, और उसे संतोषजनक जीवन के लिए खेती में सम्मान से ज़्यादा रोटी-कपड़ा और रोटी-कपड़े की ज़रूरत महसूस होती है।

(ग) 'कबिता की परख' शीर्षक पाठ के अनुसार आँख के के लिए मीन, खंजन और कमल की उपमाएँ दी जाती हैं। इनमें क्या-क्या समानताएँ हैं?

उत्तर - कविता की परख' पाठ के अनुसार, मीन (मछली), खंजन (पक्षी) और कमल (फूल) तीनों की उपमाएँ आँख की सुंदरता और कोमलता को व्यक्त करती हैं। इन उपमाओं में चंचलता, शीतलता, और सौंदर्य के समान गुण पाए जाते हैं, जो आँख के स्वाभाविक गुणों जैसे सुंदरता, आकर्षण, और देखने की क्षमता को दर्शाते हैं।

(घ) निम्नलिखित वाक्य की सप्रसंग व्याख्या क "परंतु निराशा की शक्ति भी कुछ विलक्षण ही होती है।"

उत्तर - यह वाक्य कहता है कि निराशा की भावना या स्थिति भी अपने आप में एक अनोखी ताकत होती है, जो व्यक्ति को ऐसे काम करने पर मजबूर कर सकती है जो वह अन्यथा नहीं कर पाता। निराशा के क्षण में जब सारे रास्ते बंद दिखने लगते हैं, तब इंसान के अंदर एक ऐसी शक्ति जन्म लेती है जो उसे विपरीत परिस्थितियों का सामना करने और असामान्य प्रयास करने के

लिए प्रेरित करती है, जो सामान्य समय में संभव नहीं होता।